an>

Title: Need to accord early approval to the proposal of Government of Gujarat for declaration of areas around various wildlife sanctuaries in the State as eco-sensitive zones.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) ः गुजरात सरकार द्वारा अभ्यारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास के क्षेत्र को ईको सेंसेटिव जोन (परिस्थितकी क्षेत्र) घोषित करने के लिए विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे। इनमें से 15 प्रस्ताव- (बलराम-अम्बाजी सेंक्चुरीः 11.1.2013, विलावडर नेशनल पार्कः 30.1.2013, गागा सेंक्चुरीः 18.3.2013, खिलडिया सेंक्चुरीः 18.3.2013, जेसोर सेंक्चुरीः 3.1.2014, पोरबंदर बर्ड सेंक्चुरीः 3.1.2014, रामपरा सेंक्चुरीः 14.2.2014, हिंगोलगढ़ सेंक्चुरीः 10.3.2014, नलसरोवर सेंक्चुरीः 25.8.2014, गिर सेंक्चुरीः 27.8.2015, गिर नेशनल पार्कः 27.8.2015, पानिया सेंक्चुरीः 27.8.2015, मितीयाला सेंक्चुरीः 27.8.2015, बरडा सेंक्चुरीः 2.11.2015 तथा शुल्पानेश्वर सेंक्चुरीः 30.7.2015) ऐसे हैं जो अभी भी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ये 15 प्रस्ताव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पास लंबित हैं। अतः मेरी मांग है कि इन प्रस्तावों को जल्द से जल्द मंजूरी दी जाए।